>

Title: Need to promote and conserve dialects and languages on the verge of extinction in the country.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार कम बोली जाने वाली कुछ भाषाएं एक पखवाड़ा के बाद लुप्त हो रही है। यह एक चिंताजनक बात है। भाषा संचार का एक सशक्त माध्यम है। इसके बिना मानव एक-दूसरे को अपनी संवेदना, भावनाएं व्यक्त नहीं कर सकता। मानव बिना भाषा के पशु है।

इस सम्माननीय सदन के माध्यम से मैं यह आग्रह भारत सरकार के कल्चर मंत्री से करता हूं कि सरकार इस ओर विशेष ध्यान दे ताकि कम बोली जाने वाली भाषा लुप्तप्राय न हो सके।